मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 162, मुंबई, शुक्रवार, 13 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

स्वतंत्रता दिन पर
विशेष छूट
समोसा ₹ 16/- 12/-
जलेबी ₹ 540/- 440/-
मकाई चिवड़ा ₹ 360/- 300/-
(शुद्ध घी की) बूंदी ₹ 400/- 300/-
Scheme Valid 14th & 15th Aug 2021
Order Now
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com

पैरेंट्स के हक में उद्धव सरकार का बड़ा फैसला

महाराष्ट्र के सरकारी व निजी स्कूलों की फीस में 15 फीसदी की कटौती

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार, 12 अगस्त, 2021 को लाखों अभिभावकों को बड़ी राहत प्रदान की है। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना महामारी के कारण पिछले दो वर्षों में आम जनता की बिगड़ी आर्थिक स्थिति को देखते हुए स्कूल फीस में 15 फीसदी कटौती की घोषणा की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

छात्रों को क्लास करने से न रोकें..और न ही एग्जाम देने से

सरकार ने स्कूलों के मैनेजमेंट को यह भी निर्देश दिया है कि वे छात्रों को ऑनलाइन या ऑफलाइन क्लास करने से न रोकें। साथ ही अगर वे फीस का जमा करने में असमर्थ हैं तो भी परीक्षा देने दें, उन्हें परीक्षाओं में बैठने से मत रोकें।

फीस जमा ना करने की वजह से नहीं निकाला जाएगा कोई छात्र

इसके अलावा अगर फीस को लेकर कोई भी परेशानी है या सुझाव नहीं निकल पा रहा है, तो एफ आर ए (फीस रेगुलेरिटी अथॉरिटी) के पास इसे सुलझाया जाएगा। फीस जमा ना करने की वजह से किसी भी स्टूडेंट को स्कूल से नहीं निकाला जा सकता है।

फर्जी कॉल

'शरद पवार बोल रहा हूं, इन अफसरों के तबादले करो'

एनसीपी प्रमुख बनकर दबाव डालने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्रालय स्थित गृह विभाग के अधिकारी को एक आरोपी ने खुद को एनसीपी प्रमुख शरद पवार बताते हुए फोन किया। आरोपी ने गृह विभाग के अफसर से कुछ अधिकारियों का तबादला करने की मांग की। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। गृह विभाग के अधिकारी को जब फोन करने वाले पर शंका हुई तो मामला पुलिस को सौंपा गया। जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

आवाज बदलने वाले ऐप का इस्तेमाल किया

जांच में पता चला है कि आरोपी ने आवाज बदलकर कॉल करने वाले ऐप का इस्तेमाल करते हुए गृह विभाग को फोन किया था। बता दें, महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महाविकास अघाड़ी सरकार में एनसीपी साझेदार है। राज्य के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल खुद एनसीपी के हैं।

कोरोना के नए वैरिएंट का खतरा

महाराष्ट्र में 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट के 20 नए केस मिले, हर महीने 100 सैंपल की होती है जांच

मुंबई। महाराष्ट्र में 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट के 20 नए केस मिले हैं। इसके साथ ही राज्य में 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट के मरीजों की संख्या बढ़कर अब 65 हो गई है। जलगांव जिले में सबसे अधिक 13 मरीज हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हंगामे से हासिल

संसद सत्र का तय समय से पहले स्थगित हो जाना न केवल अफसोस, बल्कि चिंता की भी बात है। लोकसभा की बैठक बुधवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई, तो इसके लिए संसद में पैदा गतिरोध को ही जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पेगासस जासूसी मामला, तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग सहित अन्य कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों के हंगामे और सत्ता पक्ष के हठ के कारण पूरे सत्र में सदन का कामकाज प्रभावित हुआ है और सिर्फ 22 प्रतिशत काम ही हो सका। आम लोगों के मन में यह सवाल वाजिब ही उठेगा कि क्या हमने सांसदों को केवल 22 प्रतिशत काम के लिए भेजा है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद का यह व्यवहार क्या प्रशंसनीय है? भारतीय लोकतंत्र की तारीफ करने वाले बहुत लोग मिलेंगे, पर क्या ऐसी ही तारीफ भारतीय संसद की भी हो सकती है? लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर बताया कि 17वीं लोकसभा की छठी बैठक 19 जुलाई, 2021 को शुरू हुई थी और इस दौरान हुई 17 बैठकों में 21 घंटे 14 मिनट ही कामकाज हुआ। उन्होंने माना कि सदन में कामकाज अपेक्षा मुताबिक नहीं रहा, तो उपाय क्या है, कौन करेगा? राज्यसभा में भी कमाबेश ऐसी ही स्थिति रही। यह उच्च सदन है और इससे ज्यादा गंभीरता की उम्मीद की जाती है, लेकिन जब ऐसे सदन के सभापति कार्यवाही का अपमान देखकर भावुक हो जाएं, तो फिर निराशा जताने के अलावा क्या रह जाता है? कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी विवाद इत्यादि पर राज्यसभा की कार्यवाही भी लगातार बाधित होती रही है। यह कैसे भुलाया जाए कि कृषि कानूनों का विरोध करते हुए कुछ सांसद सदन की मेज पर बैठ गए और कुछ सदस्य मेज पर चढ़ गए? इस पर सभापति ने कहा कि राज्यसभा की सारी पवित्रता खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि सदन में हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों को कार्रवाई का सामना करना होगा, लेकिन अब यह कैसे और कब होगा? सदन में विरोध जताना सही है, लेकिन मेज पर चढ़ जाना, मेज पर चढ़कर आसन की ओर रूल बुक फेंक देना कहां की परंपरा है? तो क्या अब समय आ गया है कि हम संसद के कामकाज को लेकर भावुक हो जाएं और आंसू बहाएं? अगर हम ऐसा करेंगे, तो दुनिया को क्या संदेश देंगे? यह सोचना बहुत जरूरी है कि जब हम सदन में अच्छा माहौल नहीं बना सकते, तो देश में कैसे गरिमा बनाए रखेंगे? क्या भारतीय लोकतंत्र में व्यवहार का एक स्तर नहीं होना चाहिए? हंगामा करने वाले और हंगामे से लाभ उठाने वाले हर नेता को अपने गिरेबान में झांकना होगा। लोकतंत्र में सड़क पर और चुनावी मैदानों में तो संघर्ष शोभा देता है, लेकिन जब ऐसा ही राजनीतिक संघर्ष सदन में आ जाए, तो सदन का महत्व कम हो जाता है। अभी पिछले सत्रों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति बनने लगी थी, लेकिन इस मानसून सत्र ने बेहद निराश किया है। बेशक, कोरोना पर एक व्यापक बहस होनी चाहिए थी, देश की तमाम उन कमियों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए थी, जिन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के समय देश को रुला दिया, लेकिन हम चूक गए। अब देश के लोग यही उम्मीद करेंगे कि अगली बार जब सांसद बैठें, तो दिल से महसूस करें कि देश को कहां-कहां दर्द है।

ऐसी विधायिका की क्या जरूरत?

संसद का मॉनसून सत्र खत्म होने वाला है। शुक्रवार 13 अगस्त को सत्र का आखिरी दिन होगा और अभी तक संसद में आम लोगों से जुड़े किसी भी एक मसले पर एक मिनट की भी चर्चा नहीं हुई है। देश की आम जनता महंगाई से त्रस्त है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के सिलिंडर से लेकर खाने-पीने तक की चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं लेकिन संसद में इस पर चर्चा नहीं हुई है। बेरोजगारी की दर उच्चतम सीमा पर है। ताजा आंकड़े के मुताबिक जुलाई में यह आठ फीसदी से ऊपर थी। देश की अर्थव्यवस्था का भट्ठा बैठा हुआ है। बैंकों के पैसे डूब रहे हैं। देश के आधे से ज्यादा हिस्से में बारिश और बाढ़ की त्रासदी है। औसतन 40 हजार कोरोना के मरीज हर दिन मिल रहे हैं और वैक्सीनेशन का अभियान घसीट-घसीट कर आगे बढ़ रहा है। स्कूल-कॉलेज बंद हैं और घरों में बंद बच्चे मानसिक अवसाद का शिकार हो रहे हैं। देश के किसान केंद्र के बनाए कृषि कानूनों के खिलाफ साढ़े आठ महीने से आंदोलन कर रहे हैं और हजारों किसान दिल्ली की सीमा पर बैठे हैं। चीन भारत की सीमा में घुस कर बैठा है और सीमा पर करीब डेढ़ साल से तनाव की स्थिति है। लेकिन इनमें से किसी भी मसले पर अभी तक संसद में चर्चा नहीं हुई है। संसद का सत्र शुरू होते ही पेगासस से जासूसी का मामला सामने आया था। विपक्षी पार्टियों ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्ति की निजता के साथ जोड़ कर इस पर चर्चा की मांग की है। लेकिन उस पर भी चर्चा नहीं हुई है। हैरानी की बात है कि तीन हफ्ते और दो दिन तक संसद की कार्यवाही बाधित करने के बाद सभी पार्टियां जिस मसले पर चर्चा के लिए राजी हुईं वह ओबीसी जातियों की सूची में बदलाव का अधिकार राज्यों को देने का विधेयक था। इस पर बुधवार को लोकसभा में चर्चा हुई और आम सहमति से इसे पास कराया गया। संविधान की जरूरत पूरी करने के लिए इस पर वोटिंग हुई और सदन में मौजूद सभी 385 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया। सवाल है कि क्या संविधान का यह संशोधन विधेयक बाकी तमाम चीजों से ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो उसे इतनी प्राथमिकता के साथ पास कराया गया?

क्या यह महंगाई, बेरोजगारी, कोरोना, अर्थव्यवस्था, किसान संगठन या सीमा सुरक्षा से ज्यादा महत्व का मसला था, जिस पर एकजुटता बन गई? तभी सवाल है कि ऐसी संसद की क्या जरूरत है? यह सवाल पूरे देश के संदर्भ में भी किया जा सकता है कि आखिर इस देश में विधायिका की ही क्या जरूरत है? जब संसद और विधानसभाओं की बैठक खानापूर्ति के लिए होती है, उसमें आम लोगों से जुड़े किसी मसले पर सार्थक चर्चा नहीं होती है, कानून बनाने से पहले आम सहमति बनाने का प्रयास नहीं होता है, विधेयकों को संसदीय समितियों के पास नहीं भेजा जाता है, विपक्ष की अच्छी-बुरी किसी राय का कोई मतलब नहीं होता है फिर ऐसी विधायिका का क्या काम है? किसी मंत्रालय का संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी कानून का मसौदा तैयार करता है, कैबिनेट उसे पास करती है और जस का तस उसे संसद या विधानसभा से भी पास कर दिया जाता है तो इसके लिए संसद या विधानसभा के भारी भरकम तामझाम की क्या जरूरत है? जब कार्यपालिका को सब पता है और उसके शीर्ष पर बैठा व्यक्ति सर्वज्ञ है तो फिर सब कुछ उसी को करने दिया जाए! दिल्ली में बैठे प्रधानमंत्री से लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों तक का बरताव एक जैसा हो गया है। सब विधायिका को अपना एजेंडा पूरा करने का माध्यम भर मानते हैं। कहने को देश में संसदीय लोकतंत्र है लेकिन शासन की संसदीय प्रणाली की जगह एकाधिकारवादी व्यवस्था बन गई है। सारी शक्तियां प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ और मुख्यमंत्री कार्यालय यानी सीएमओ में सिमट कर रह गई हैं। एकाधिकारवादी इसलिए क्योंकि इसे शासन की अध्यक्षीय प्रणाली भी नहीं कह सकते हैं। जिन देशों में शासन की अध्यक्षीय प्रणाली है वहां भी विधायिका का पूरा महत्व होता है। अमेरिका में राष्ट्रपति अपनी मर्जी से फैसले नहीं कर सकता है। सीधे जनता से चुने जाने के बावजूद उसे अपने फैसलों को संसद से मंजूर कराना होता है और अगर राष्ट्रपति का फैसला आम अमेरिकी के हित में नहीं होगा तो राष्ट्रपति की पार्टी का सांसद भी उसका विरोध करता है। भारत में इस बारे में सोचा ही नहीं जा सकता है कि सत्तारूढ़ दल का कोई सांसद प्रधानमंत्री के फैसले का या सत्तारूढ़ दल का कोई विधायक मुख्यमंत्री के फैसले का विरोध करेगा। उसका काम सदन के अंदर सिर्फ हाथ उठाने का होता है। उसे समझा दिया जाता है कि किस समय उसे हां बोलना है और कब ना। वह बस इस आदेश का पालन करने के लिए सदन में बैठता है। अगर कहीं किसी सदस्य के मन में स्वतंत्र विचार की जरा सी भी भावना आती है तो उसके सामने व्हिप की तलवार लटका दी जाती है। इसका मतलब है कि अगर कोई सांसद या विधायक अपनी सरकार के लाए किसी विधेयक से सहमत नहीं है या उसमें कोई बदलाव चाहता है या किसी फैसले को पूरी तरह से बदलने के पक्ष में हो तब भी वह विधायिका के अंदर अपने इस विचार पर अमल नहीं कर सकता है। हर विधेयक पास कराने से पहले तीन लाइन का एक व्हिप जारी कर दिया जाता है, जिसका पालन नहीं करने पर सदस्यता खत्म हो सकती है। तभी विधायिका के सदस्यों के सामने यह यक्ष प्रश्न पैदा होता है कि वे अपनी अंतरात्मा की आवाज को बचाएं या अपनी सदस्यता बचाएं? ऐसे हर अंतर्द्वंद्व में हमेशा अंतरात्मा की आवाज ही हारती है। यही कारण है कि सांसदों और विधायकों ने अब कानून बनाने की प्रक्रिया के बारे में सोचने या उसमें शामिल होने का विचार स्थायी रूप से त्याग दिया है। उनकी पहली प्राथमिकता यह होती है कि वे कैसे अपने क्षेत्र की जनता को खुश रखें। जातीय समीकरण और सांप्रदायिक माहौल के अलावा उनके पास एक तरीका यह होता है कि वे अपने क्षेत्र में विकास के कुछ काम कराएं और जहां तक हो सके, लोगों के निजी काम भी कराएं।

अपराधी नेताओं पर लगाम

हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने वह काम कर दिखाया है, जो हमारी संसद और विधानसभाओं को कभी से कर देना चाहिए था। उसने आदेश जारी कर दिया है कि चुनावी उम्मीदवारों के नाम तय होने के 48 घंटे में ही पार्टियों को यह भी बताना होगा कि उन उम्मीदवारों के खिलाफ कौन-कौन से मुकदमे चल रहे हैं और उसके पहले वे कौन-कौन से अपराधों में संलग्न रहे हैं। सभी पार्टियां अपने वेबसाइट पर उनका ब्यौरा डालें और उसका शीर्षक रहे, आपराधिक छविवाले उम्मीदवार का ब्यौरा। चुनाव आयोग ऐसा एक मोबाइल एप तैयार करे, जिसमें सभी उम्मीदवारों का विस्तृत विवरण उपलब्ध हो। आयोग आपराधिक उम्मीदवारों के बारे में जागरुकता अभियान भी चलाए। पार्टियां पोस्टर छपवाएं, अखबारों में खबर और विज्ञापन दें। पार्टियां अपनी चालबाजी छोड़ें। छोटे-मोटे अखबारों में विज्ञापन देकर खानापूरी न करें। वे बड़े अखबारों और टीवी चैनलों पर भी आपराधिक उम्मीदवारों का परिचय करवाएं। इन सब बातों पर निगरानी रखने के लिए चुनाव आयोग एक अलग विभाग बनाए। अब

देखना यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के इन आदेशों का पालन कहां तक होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया है कि किसी भी नेता के विरुद्ध चल रहे आपराधिक मामलों को कोई भी राज्य सरकार तब तक वापस नहीं ले सकती, जब तक कि उस राज्य का उच्च न्यायालय अपनी अनुमति न दे दे। अभी क्या होता है? अभी तो सरकारें अपनी पार्टी के विधायकों और सांसदों के खिलाफ जो भी मामले अदालतों में चल रहे होते हैं, उन्हें वे वापस ले लेती हैं। ऐसे मामले पूरे देश में हजारों की संख्या में हैं। इसीलिए नेता लोग बेखौफ होकर अपराध करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने इस फैसले से नेताओं, पार्टियों ओर सरकार के कान कस दिए हैं। बिहार के चुनाव में कांग्रेस, भाजपा और राजद के लगभग 70 प्रतिशत उम्मीदवारों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमे चल रहे थे। इन पार्टियों ने अपने आपराधिक उम्मीदवारों का विवरण प्रकाशित ही नहीं किया। इसीलिए अदालत ने कुछ पार्टियों पर एक लाख और कुछ पर पांच लाख रु. का जुर्माना ठोक दिया है। सभी प्रमुख पार्टियां दोषी पाई गई हैं। हमारे लोकतंत्र के लिए यह कितने शर्म की बात है कि हमारे ज्यादातर सांसद और विधायक अपराधों में संलग्न पाए जाते हैं। यह तो सभी पार्टियों का प्रथम दायित्व है कि वे अपराधी पृष्ठभूमि के लोगों को अपना चुनाव उम्मीदवार बनाना तो दूर, उन्हें पार्टी का सदस्य भी न बनने दें। चुनाव आयोग ऐसे उम्मीदवारों पर पाबंदी इसलिए नहीं लगा सकता कि कई बार उन पर झूठे मुकदमे भी दर्ज करवा दिए जाते हैं और कई बार ऐसे अभियुक्त रिहा भी हो जाते हैं लेकिन पार्टियां चाहें तो ऐसे नेताओं की उम्मीदवारी पर प्रतिबंध लगा सकती हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शिल रोड पर फिर से हुई सड़क दुर्घटना

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शिल रोड पर सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही आये दिन कोई न कोई सड़क दुर्घटना का मामला प्रकाश में आया है 11 अगस्त बुधवार दोपहर को तीन वाहनों की आपस में टकराने से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इस पूरे घटनाक्रम को नजदीक से देखें हुए लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक मिनी बस एक कार और एक मोटरसाइकिल सवार तेजी से आकर मिनी बस और कार के बीच में से निकलने की कोशिश कर रहा था वह तो जिंदगी अच्छी थी कि मोटरसाइकिल सवार की जान नहीं गई। उसने अपनी मोटरसाइकिल कार के साइड डोर पर दे मारी जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल मोटरसाइकिल सवार को नजदीकी दवाखाने में उपचार हेतु भेज दिया गया है। अब देखना यह है पुलिस द्वारा इस मामले कौन सा मामला दर्ज किया जाता है। गौरतलब बात यह है हमने खबरों द्वारा कई बार शिल रोड पर हो रही सड़क दुर्घटनाओं के बारे मे ठाणे प्रशासन को और ट्रैफिक विभाग के आला

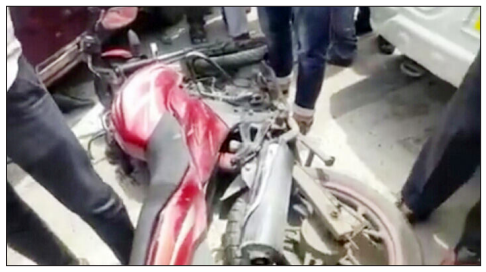

अधिकारी को लगातार सूचित किया जा रहा था शिल रोड पर सिग्नल का होना बेहद जरूरी है और यह दुर्घटनाओं का कारण है शिल रोड पर सिग्नल जैसे कोई सुविधाएं नहीं है। शिल रोड से नवी मुंबई जाने वाला रास्ते यह से जाता है पनवेल जाने वाला रास्ता भी इसी रास्ते से जाता है और यह रास्ते को मुंबई पुणे नेशनल हाईवे महामार्ग कहा जाता है पूरे राज्यों की गाड़ी इसी रास्ते से होकर गुजरती है तो प्रशासन से निवेदन है कृपया ध्यान दें और जल्द से जल्द शिल रोड पर सिग्नल की व्यवस्था करें।

एयर इंडिया बिल्डिंग खरीदेगी ठाकरे सरकार

बिल्डिंग खरीदने से एक छत के नीचे आ जाएगा मंत्रालय का कामकाज

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार एक बार फिर एयर इंडिया बिल्डिंग खरीदने की कोशिश कर रही है। ठाकरे सरकार 1400 करोड़ रुपये में खरीदना चाहती है, लेकिन एयर इंडिया की मांग 2,000 करोड़ रुपये की है। बताया जा रहा है कि एयर इंडिया बिल्डिंग जिस जमीन पर खड़ी है, उसका मालिकाना हक आज भी राज्य सरकार के पास है। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने एयर इंडिया के सीएमडी राजीव बंसल से इस बारे में चर्चा की है। फिलहाल, एयर इंडिया इमारत के टॉप फ्लोर को छोड़कर पूरी इमारत किराए पर दी गई है। नरिमन पॉइंट में मंत्रालय के पास ही यह आलीशान

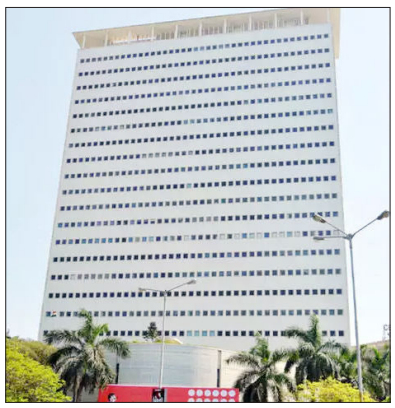

बिल्डिंग मौजूद है। 1993 के सीरियल ब्लास्ट में यह इमारत भी आतंकवादियों का निशाना बनी थी। भारी आर्थिक संकट से गुजर रही पब्लिक सेक्टर की कंपनी एयर इंडिया ने साल 2018 में इस 23 मंजिला इमारत को बेचने का निर्णय लिया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे खरीदने में रुचि दिखाई थी। इसका मकसद मंत्रालय का कामकाज एक छत के नीचे लाना था। खरीदने की बात चल ही रही थी कि विधानसभा चुनाव हुए जिसमें सत्ता परिवर्तन हो गया और यह डील आगे नहीं बढ़ पाई। अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाडी सरकार ने एक बार फिर खरीदी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है।

मालिकाना हक आज भी राज्य सरकार के पास : राज्य सरकार इस इमारत को आसानी से खरीद सकती है। इसके पीछे एक अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया बिल्डिंग राज्य सरकार की जमीन पर खड़ी है। आज भी इमारत का मालिकाना हक राज्य सरकार के पास है। इसके अलावा एयर इंडिया को विभिन्न मानदेय के तहत 400 करोड़ रुपये देने हैं। इससे बिल्डिंग की कीमत 2400 करोड़ रुपये पड़ रही है, इसलिए राज्य सरकार ने एयर इंडिया से वैल्यूशन रिपोर्ट साझा करने के लिए कहा है।

चलती बस में चढ़ने की कोशिश में पहिए के नीचे आकर व्यक्ति की मौत, चालक गिरफ्तार

मुंबई। उपनगरीय गोरेगांव में बेस्ट की एक बस में चढ़ने की कोशिश के दौरान पहिए के नीचे आने से 55 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार को दोपहर में गोरेगांव बस डिपो के समीप हुई। बस के चालक को लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया, मृतक की पहचान वसंत घोंडू घोले के रूप में हुई है और चलती बस में चढ़ने की कोशिश के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह गिर कर पिछले पहिए की चपेट में आ गया। उसे तत्काल निकट के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वनराई पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल वाघमारे ने कहा कि बेस्ट (बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) बस के चालक उल्हास माने पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया, हमने घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला है और जांच जारी है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पैरेंट्स के हक में उद्धव सरकार का बड़ा फैसला

सरकार ने इस संबंध में कैबिनेट बैठक के दौरान लिए गए फैसले पर अमल करते हुए गुरुवार को आदेश जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में माता-पिता के लिए एक बड़ी राहत के रूप में, शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए सभी सरकारी और निजी स्कूलों के शुल्क में 15 प्रतिशत की कटौती करने का निर्णय किया है। फैसले के अनुसार, यदि माता-पिता ने इस आदेश के जारी होने से पहले ही पूरी फीस का भुगतान कर दिया है, तो उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष में राशि को समायोजित करके मुआवजा दिया जाएगा। गौरतलब है कि 28 जुलाई, 2021 को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों की फीस में 15 प्रतिशत की कमी के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी थी। बता दें कि कई छात्रों ने मई में सीएम उद्धव ठाकरे और राज्य की शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ को पत्र लिखकर 2019 से 2021 तक 15 प्रतिशत फीस माफ करने का आग्रह किया था। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र सरकार ने यह फैसला राजस्थान सरकार के पदचिह्नों पर किया है। इससे पहले, राजस्थान सरकार ने निजी स्कूलों को फीस कटौती करने का आदेश जारी किया था, जिसकी तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार ने भी इस दिशा में कदम उठाए थे। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र कैबिनेट ने फीस भुगतान का ढांचा ऐसा बनाने की तैयारी कर ली है, जिससे कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे।

फर्जी कॉल...

इसके बाद मुंबई पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट ने 20 अगस्त तक क्राइम ब्रांच पुलिस की हिरासत में सौंपा है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने महाराष्ट्र के गृह विभाग के अधिकारियों को फोन किया था। आरोपी ने खुद को शरद पवार बताते हुए बात शुरू की। आरोपी द्वारा एनसीपी प्रमुख के अंदाज में बोलने का प्रयास करने पर अधिकारी को शक हुआ तो उन्होंने पुलिस को सतर्क कर दिया। गृह विभाग की सूचना पर मुंबई पुलिस के गावदेवी पुलिस थाने में बुधवार रात भादंवि की धारा 419 के तहत केस दर्ज किया गया। इसके साथ ही मुंबई की क्राइम ब्रांच पुलिस ने समानांतर जांच शुरू की। इसके बाद मुख्य आरोपी व उसके सहयोगी को पकड़ा गया। इनके नाम अभी उजागर नहीं किए गए हैं। इसी तरह का कॉल नौ अगस्त को पुणे जिले के चाकन इलाके में भी किया गया था। यह फोन कॉल जमीन के लेन देन को लेकर किया गया था।

कोरोना के नए वैरिएंट का खतरा

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट के मुंबई में सर्वाधिक 7, पुणे में 3, नांदेड में 2, गोंदिया में 2, रायगड में 2 और पालघर में 2 पेशंट मिले हैं। इसी प्रकार चंद्रपूर और अकोला जिले में एक-एक मरीज पाए गए हैं। महाराष्ट्र में अब तक 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट के 65 पेशंट मिले हैं। इसमें 32 पुरुष और 33 महिलाओं का समावेश है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट के 65 मरीजों में से रत्नागिरी जिले के एक पेशंट की मौत हुई है जबकि बाकी के सभी मरीजों के लक्षण सौम्य या मध्यम है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए अब तक जितने सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग हुई है। उसमें से 80 फीसदी में 'डेल्टा प्लस' वैरिएंट पाए जाने की पुष्टि हुई है। महाराष्ट्र सरकार ने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) इस संस्था के अंतर्गत काम करने वाली इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटेड बायोलॉजी प्रयोगशाला के साथ समझौता किया है। इस नेटवर्क के माध्यम से हर महीने राज्य के प्रत्येक जिले से 100 सैंपल की जांच की जाती है। ध्यान रहे कि महाराष्ट्र में राज्य के 5 प्रयोगशाला और 5 अस्पतालों का चयन सेंटीनल सर्वे के लिए किया गया है।

इस्लामी मदरसा में अनोखा रिलीफ सेंटर, हिंदुस्तान में पहली बार इमदाद का निराला और मिसाली कदम

इस साल जुलाई 2021 में कोकन में सैलाब की वजह से वहां के लोगों के घर और दुकानें बर्बाद हो गईं, घर और दुकान का सारा सामान बर्बाद हो गया। अच्छे खासे पैसे वाले लोग भी एकदम से जैसे मोहताज हो गए। जरूरत थी के ऐसे वक्त उन की हर तरह की मदद की जाए। यूं तो वहां बहुत सारी संस्थाओं और इदारों ने रिलीफ पहुंचाई, अनाज और सामान पहुंचाया, और हर तरह की मदद की कोशिशें कीं। लेकिन दारुल उलूम इमाम अहमद रजा (कोकन) जिला रतनागीरी, महाराष्ट्रा ने बड़े पैमाने पर रिलीफ का काम किया। और बिलकुल अनोखे अंदाज से इमदादी काम शुरू किया। दारुल उलूम ने पीढ़ित लोगों की इमदाद के लिये पूरे कोकन एक मिसाल कायम की है। दारुल उलूम के सरपरस्त मुफ़्ती इब्राहीम मकबूली साहब ने बजाते खुद कोकन के सैलाब जदा इलाकों का दौरा किया। चिपलुन, महाड़, खेड़, दसगांव, राजे वाड़ी, माटवन, अलसूर, संगमेशवर ताल्लुका वगैरा के छोटे छोटे गाँव जो सैलाब से मुतास्सिर हुए हैं, वहां पहुंच कर उनकह दादरसी व इमदाद फरमाई। जहां तक मुमकिन हो सका अपने रजाकरों टवसनदजममते के जरिए पीढ़ितों को कई दिनों तक खाना, पानी वगैरा पहुंचाते रहे। साथ ही साथ मेडिसीन पहुंचाने के लिए ड़ॉ उवेस रजवी साहब के जरए मुख़्तलिफ गांव में मैडिसन पहुंचाई जाती रही। इस के अलावा इस सिलसिले में खिदमात अंजाम दी जा रही हैं। इन खिदमात के बाद दूसरे मरहले में मकबूली साहब ने लोगों की जरूरत के पेशे नजर जानी मियां रिलीफ सेंटर कायम फरमाया। जिस में खाने पीने की चीजों के अलावा रोजाना जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली दूसरी तमाम चीजें.जैसे गैस चुलहा, मिक्सर, सीलिंग फैन, बर्तन, मर्द

व औरत के कपड़े, सर से लेकर पॉव तक इस्तेमाल की तकरीबन तमाम चीजें मौजूद हैं। जिस में हर चीज बड़े सलीके से सजाई गई है ओर तर्तीब वार चीजें. रखी गई हैं। और सब से बड़ी बात कि दूसरे शॉपिंग मॉल में सामान की शॉपिंग के बाद कीमत अदा करनी पड़ती है मगर जानी मियां रीलीफ सैंटर से सामान ले जाने वाले को कॉउंडर पर कीमत देने के बजाए सिर्फ. दुआएं देकर जाते हैं। इस हैसियत से हिंदुस्तान में जो रीलीफ के तरीके अब तक अपनाए गए हैं, उन सब में इस रिलीफ सेंटर का अंदाज बिल्कुल अलग और निराला है और लाइके.तारीफ और लाइके तकलीद है। यह देख कर समझदार लोग यह कहने पर मजबूर हुए कि दुनिया में पहली बार ऐसा फ्री शॉपिंग सैंटर दारुल उलूम में देखने को मिला। दारुल उलूम के वॉलेंटियर सैलाब जदा इलाकों में जा जाकर तफतीश के बाद पिढ़ित लोगों में टोकन तकसीम करते हैं, फिर बस के जरए उन लोगों को दारुल उलूम में बने जानी मियां रिलीफ सेंटर तक लाया जाता है। पिढ़ित अपने जरूरी सामान और पसंद की चीजें सैंटर से चुन लेते हैं, फिर वॉलेंटियर उन लोगों को सामान के साथ बस के जरए उन के गॉव तक छोड़ आते हैं। याद रहे दारुल उलूम ने रीलीफ के इस काम में मिसी मजहब, जात ब्रादरी की तफरीक का ख़्याल न करते हुए खिदमते खल्क समझ कर हर एक तक अपने रीलीफ के सामन पहुंचाने की ताकत भर कोशिश की है। सच यह है कि लोगों की खिदमत इस्लामी तालीमात का एक बहतरीन अमल है। हिंदुस्तान की दूसरी तंजीमें जो रीलीफ की खिदमात अंजाम देती हैं उन्हें भी जानी मियां रिलीफ सेंटर को देखते हुए बहतर से बहतर अंदाज में कौम की खिदमत करने की सआदत हासिल करना चाहिए।

6 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी दक्षिण मुंबई में भायखला वरली के कार्यकर्ताओं ने वेस्ट लोकल ट्रेन न चलाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया था, इसका असर यह हुआ कि वैक्सीन के दोनो डोज लेने वालों के लिए अनुमति मिल गयी।

पूर्वोत्तर रेल्वे के मुख्य जन संपर्क अधिकारी से मुलाकात

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा के कांदिवली पूर्व विधान सभा के मीडिया प्रभारी व पत्रकार संदीप सिंह ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश स्थित गोरखपुर में बाबा गोरखनाथ जी का दर्शन किये उसके उपरांत गोरखपुर पूर्वोत्तर रेल्वे महा प्रबंधक कार्यालय पहुँच कर उत्तर पूर्व रेल्वे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह तथा सिनियर जनसंपर्क अधिकारी श्री सी पी चौहान से मुलाकात की।

कोरोना के खिलाफ नया हथियार मिला

कोविशील्ड और कोवैक्सीन का मिक्स डोज सभी वैरिएंट पर कारगर

संवाददाता / नई दिल्ली

कोरोना को रोकने में कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्सिंग क्या कारगर है। इसे लेकर ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया की तरफ से इस स्टडी को हरी झंडी मिल गई है। जुलाई में एक सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने दोनों वैक्सीन की मिक्सिंग को लेकर स्टडी की सिफारिश की थी। इससे पहले दो अलग-अलग वैक्सीन के मिश्रण को लेकर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने एक स्टडी की थी। आईसीएमआर ने कहा था कि मिश्रण से बेहतर सुरक्षा परिणाम मिले हैं। अब स्टडी के नतीजे के बाद इसके इस्तेमाल को स्वीकृति दी गई।

स्टडी में मिले सकारात्मक परिणाम

यह स्टडी वेल्लूर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में होगी। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशनकी एक सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने 29 जुलाई को इस स्टडी की सिफारिश की थी। इससे पहले आईसीएमआर ने भी एक स्टडी की थी। यह स्टडी उत्तर प्रदेश में हुई थी। इसमें लोगों को पहले कोविशील्ड का डोज दिया गया था। जबकि,दूसरे डोज के रूप में कोवैक्सीन दी गई।

आईसीएमआर ने भी लगाई मुहर

आईसीएमआर की एक स्टडी में पता चला है कि पहली डोज कोविशील्ड और दूसरी डोज कोवैक्सीन की देने पर वायरस के खिलाफ बेहतर इम्युनिटी देखी गई है। मई और जून में की गई स्टडी में पता चला है कि एडिनोवायरस वेक्टर पर आधारित दो अलग-अलग वैक्सीन का कॉम्बिनेशन वायरस के अलग-अलग वैरिएंट्स के खिलाफ भी प्रभावी है। स्टडी में ये भी सुझाव दिया गया कि मिक्स वैक्सीन से लोगों के मन में जो गलतफहमियां और हेजिस्टेंसी है, वो भी दूर हो सकती हैं।

यह तीनों ही वैरिएंट में कारगर

इस स्टडी में 98 लोगों को शामिल किया गया था। इनमें से 40 लोगों को कोविशील्ड की दोनों डोज और 40 लोगों को कोवैक्सीन की ही दोनों डोज दी गई थी। 18 लोग ऐसे थे जिन्हें पहली डोज कोविशील्ड और दूसरी डोज कोवैक्सीन की लगाई गई। स्टडी में सामने आया कि जिन लोगों को दोनों अलग-अलग डोज दी गई, उनमें कोरोना के अल्फा, बीटा और डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ इम्युनोजेनेसिटी प्रोफाइल काफी बेहतर मिली।

स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा

अब तक 52 करोड़ से ज्यादा को खुराक दी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि देश में अब तक दी गई कोविड-19 रोधी टीकों की कुल खुराक 52 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। भारत को अपने टीकाकरण अभियान के तहत 10 करोड़ खुराक का आंकड़ा छूने में 85 दिन लगे थे। 20 करोड़ का आंकड़ा पार करने में 45 दिन लगे और 30 करोड़ तक पहुंचने में 29 दिन और लगे। देश को 30 करोड़ से 40 करोड़ तक पहुंचने में 24 दिन लगे।

तीसरी लहर की तैयारी

ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड व दवाएं सुरक्षित

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर अब देशभर में आशंका व्यक्त की जा रही है। इस बीच केंद्र सरकार ने रेमडिसिविर इंजेक्शन के 50 लाख वायल सुरक्षित कर लिए हैं। इसके अलावा सरकार टोसिलजुमाब के प्रोडक्शन की भी तैयारी कर रही है। वर्तमान में देश के भीतर ही वैक्सीनेशन पर सरकार का पूरा फोकस है।

आंध्र ने कबूला-ऑक्सीजन की कमी से हुई मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश ने बुधवार को केंद्र को बताया कि कम ऑक्सीजन दबाव के कारण कोविड-19 के इलाज के दौरान वेंटिलेटर सपोर्ट पर कुछ मरीजों की मौत हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी राज्य ने आक्सीजन की कमी के कारण मौत को स्वीकार किया है। केंद्र ने हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के संबंध में हुई मौतों के आंकड़े मांगे थे।

मुंबई और महाराष्ट्र में वैक्सीन की किल्लत, केंद्र से नहीं मिल रही है दवा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के वरिष्ठ मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार महाराष्ट्र में वैक्सीन की आपूर्ति ठीक तरह से नहीं कर पा रही है। जिसके कारण कई वैक्सीनेशन सेंटर को बंद करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में जितनी वैक्सीन की जरूरत है उतनी आपूर्ति केन्द्र सरकार की ओर से नहीं की जा रही है। मलिक ने बताया कि राज्य में वैक्सीन की दूसरी खुराक लेने वालों की संख्या 20 लाख है जबकि पहली खुराक लेनेवालों की संख्या काफी ज्यादा है। वैक्सीन की दूसरी डोज मिल जाएगी लेकिन पहली डोज लेने वालों को इंतजार करना होगा। इसलिए वैक्सीनेशन सेंटर बंद हो रहे हैं।

डीआरडीओ ने निर्भय मिसाइल का परीक्षण किया

संवाददाता / नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ बीते करीब डेढ़ साल से जारी एलएसी विवाद के बीच जल्द ही सेना की युद्धक क्षमता में और अधिक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। जिसमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेश में डिजाइन और विकसित की गई निर्भय सबसोनिक क्रूज मिसाइल की अहम भूमिका होगी।

बुधवार को डीआरडीओ ने इसका ओडिशा के चांदीपुर टेस्ट रेंज से सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर स्वदेशी इंजन से सफल परीक्षण किया है। इस दौरान यह मिसाइल आसमान में 100 किमी. की दूरी पर करीब 15 मिनट तक रहने के बाद नीचे आ गई। संगठन का कहना है कि लगभग डेढ़ हजार किमी. की मारक क्षमता वाली निर्भय क्रूज मिसाइल के भविष्य में और अधिक परीक्षण किए जाएंगे।

अनुसंधान को बढ़ावा देने को लगातार परीक्षण कर रहा डीआरडीओ

रडार को चकमा देने में सक्षम

निर्भय मिसाइल की गति 0.7 से 0.9 मैक है। लांच के बाद आसमान में अपने लक्ष्य को तेजी से भेदने के लिए तुरंत जरूरी बदलाव करने में सक्षम होने की वजह से निर्भय दुश्मन के रडार को पूरी तरह से चक्मा देकर बचकर निकलने में भी सक्षम है। मुख्यरूप से यह दो चरणों में काम करती है। जिसमें पहले चरण में सॉलिड फ्यूल और दूसरे चरण में लिक्विड फ्यूल अहम है। इसे समुद्र, जमीन और मोबाइल लॉंचर से छोड़ा जा सकता है।

अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण

गौरतलब है कि बीते कुछ वक्त से डीआरडीओ रक्षा अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए और लद्दाख में जारी एलएसी विवाद के दौरान सशस्त्र सेनाओं की युद्धक-रणनीतिक क्षमता को सुदृढ़ बनाने के लिए एक के बाद एक कई परीक्षण कर रहा है। इसमें निर्भय के अलावा अग्नि, आकाश, अस्त्र, नाग जैसी कई मिसाइलें शामिल हैं। इसी साल जून महीने में भारत ने सफलता के साथ परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम नई पीढ़ी की अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

फिलहाल सेना को सौंप दी जाएगी यह मिसाइल, होंगे आगे के परीक्षण

अभी फिलहाल इसे सेना को सौंप दिया जाएगा। जिसके बाद वह मिसाइल को अपने बेड़े में शामिल करने से पहले उसके लगभग तीन और जरूरी परीक्षण करेगी। जिनकी सफलता के बाद सेना इसे लद्दाख में मौजूदा एलएसी विवाद के दौरान चीन के खिलाफ भी तैनात कर सकती है। निर्भय मिसाइल एक सबसोनिक क्रूज मिसाइल है। परीक्षण के दौरान ओड़िशा तट के आसपास लगे हुए रडार और अन्य संचार उपकरणों की मदद से इसकी हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की टीम ने कड़ी निगरानी रखी। गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर महीने में भी इसका एक परीक्षण किया गया था। लेकिन तकनीकी दिक्कतों की वजह से वह सफल नहीं रहा था।

डिलीवरी प्लेटफार्म में आई कुछ दिक्कत

डीआरडीओ सूत्रों ने बताया कि निर्भय मिसाइल के परीक्षण के दौरान स्वदेशी इंजन ने तो बहुत अच्छी तरह से कार्य किया। लेकिन कुछ तकनीकी कारणों जैसे कंट्रोलर में कुछ खामी आने की वजह से इसका डिलीवरी प्लेटफार्म अपेक्षित परिणाम नहीं दे सका। जिसकी वजह से डीआरडीओ इस परीक्षण को आंशिक रूप से सफल हुआ मानता है। मिसाइल के भावी परीक्षण मिशन मोड में किए जाएंगे और उसके बाद इसे यूजर ट्रायल के लिए वायुसेना और नौसेना को सौंपा जाएगा। निर्भय मिसाइल अपने साथ 300 किलोग्राम की युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम है। यह सतह से 50 मीटर से लेकर 4 किलोमीटर तक उड़ान भरने में सक्षम है। इसके बाद आसानी से अपने लक्ष्य को ढूंढकर सटीक निशाना लगाकर उसे नष्ट सकती है।

मुंबई हवाईअड्डे पर रनवे की तरफ फेंकी गई पेट्रोल से भरी बोतल

संवाददाता

मुंबई। मुंबई हवाईअड्डे पर सुरक्षाकर्मी तब हरकत में आ गए जब रनवे की तरफ कुछ शरारती तत्वों ने पेट्रोल से भरी एक बोतल फेंक दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना बुधवार रात करीब नौ बजे हुई। हवाईअड्डे की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक सुरक्षा अधिकारी ने गांवदेवी झुग्गी के पास स्थित हवाईअड्डे की चारदीवारी के बाहर से कोई वस्तु गिरती देखी। सूत्रों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने पेट्रोल से भरी बोतल बरामद की जिसे बाद में नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस घटना से विमान परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी जिसने झुग्गी बस्ती में पड़ताल की, लेकिन शरारती तत्वों की पहचान नहीं की जा सकी।

बुलढाणा हलचल

बारिश की कमी से खरीफ फसलों पर संकट, फसलों के उत्पादन में गिरावट, किसान परेशान

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले में बुलडाणा, मोताळ्य मलकापुर सहित अनेक तहसीलों में इन दिनों बारिश के अभाव ने किसानों सहित सामान्य जनता को खासा बेहाल कर दिया है। शुरूआती दौर में मानसून ने अपनी झलक दिखलाई थी परंतु अब कभी-कभार आसमान में काले बादल झूमते हुए नजर आते हैं और ठंडी हवाओं संग उसी तरह झूमते हुए आगे बढ़ जाते हैं। समूचे जिले में इस समय अच्छी बारिश की दरकार है। जिले में छह लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खरीफ मौसम की फसलों की बुआई की जाती है। अधिकांश खेती बारिश के पानी पर निर्भर है। इस वर्ष जून माह में अच्छी बारिश हुई, इससे किसानों ने बुआई शुरू की। इसमें सर्वाधिक साढ़े चार लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन की बुआई की गई। इसके अलावा उड़द, मूंग, तुअर, खरीफ ज्वार व अन्य फसलों की बुआई की गई है। लेकिन गत बीस दिनों से बारिश ने मुंह फेर लिया है। इससे सोयाबीन समेत अन्य फसलें सूख रही हैं। सोयाबीन फसल को फिलहाल फूल लग रहे हैं। लेकिन बारिश के अभाव में वहीं सिकुड़ गए हैं। गत बीस दिनों से लगातार बारिश नहीं होने से सोयाबीन समेत सभी फसलें

सूख रही हैं। आगामी दो-चार दिनों में बारिश होने पर भी सोयाबीन उत्पादन में तीस से पचास प्रतिशत गिरावट होने का अंदेशा किसानों ने व्यक्त की है। बारिश नहीं होने पर अधिकांश क्षेत्र की फसलों पर हल चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, ऐस किसानों का कहना है।

जिले मे दमदार बारिश की प्रतिक्षाः = बुलडाणा तहसील में अब तक जोरदार बारिश नहीं होने के कारण पानी का संकट बना हुआ है। कुओं, तालाबों तथा हूँड पंपों में पानी का स्तर अब तक ऊंचा नहीं उठा है। लिहाजा, ग्रामीणों में निराशा का माहौल बन रहा है। तहसील की बांध परियोजनाओं में भी पानी का भंडारण नहीं के बराबर है। लोगों को अब डर सतानें लगा है कि पानी की कमी की वजह से कहीं पुनः सूखा संकट का सामना नहीं करना पड़े। शुरूआती रिमझिम बारिश के भरोसे पर किसानों ने बुआई तो कर दी परंतु अभी भरपूर बारिश की दरकार इस परिसर में है ।ऐसा नहीं होने पर रबी फसल भी खतरे में आ जाएगी। खरीफ मौसम में किसान पहले ही काफी नुकसान झेल चुके हैं। बताया गया कि मानसून की बेरुखी के चलते किसानों को मुसीबत मे डाल दिया।

येळगांव तालाब में सिर्फ दो माह का जल भंडारणः= बुलडाणा शहर और आस पास के गांव को पीने कि पानी की आपुर्ती करने वाला येळगांव धरण में महज दो महीने जल संवाह शेष बचा है। अगर अब जल्द ही बादल नहीं बरसे, तो बुलडाणा समेत करीब डेढ़ दर्जन गांवों में जल संकट गहरा जाएगा। जुई तालाब में पानी की मौजूदगी के कारण परिसर के कुओं में भी पानी का स्तर संतोषजनक होने के कारण कुछ किसान कपास व मिर्च की सिंचाई कर पा रहे हैं। शेष अन्य के लिए ऐसी सुखद स्थिति फिलहाल नहीं आई है। परिसर के किसानों का कहना है कि अब झमाझम बारिश होनी ही चाहिए, ताकि फसलों के साथ ही तालाख, कुओ, नदी व नालों को पानी मिल सके।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। भारत का चुनाव आयोग 1 जनवरी, 2022 की पात्रता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की घोषणा की गई है। तदनुसार, मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन नवंबर 2021 को मतदान केंद्र पर किया जाएगा। मतदाता यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस राममूर्ति एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रारूप मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम नहीं हैं, साथ ही 1 जनवरी 2022 को 18 वर्ष के हो जाने वाले मतदाताओं से 1 नवंबर से 1से 30 नवंबर के बीच पंजीकरण किया जाए। इस तरह कि अपील जिला कलेक्टर और जिला चुनाव अधिकारी एस राममूर्ति और उप जिला चुनाव अधिकारी भूषण अहिरे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में की है।

समस्तीपुर हलचल

रेल एसो के पदाधिकारियों ने नये एवं पूर्व डीआरएम के सम्मान में किया कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर रेल मण्डल के नये डीआरएम आलोक अग्रवाल ने निवर्तमान डीआरएम अशोक माहेश्वरी से बुधवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर नये डीआरएम के रूप में अपना योगदान दिया, जिसके उपरांत उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। एससीएसटी रेल एसो के मण्डल अध्यक्ष अर्जुन कुमार की अध्यक्षता में एसो का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को डीआरएम कार्यालय कक्ष में वर्तमान डीआरएम आलोक अग्रवाल एवं पूर्व डीआरएम अशोक माहेश्वरी से मिलकर दोनों को शुभकामनाएँ दिए। प्रतिनिधियों ने दोनों पदाधिकारियों को मैथिली परंपरा का निर्वहन करते हुए शॉल, माला, टोपी, भगवान बुद्ध की प्रतिमा एवं फूलों का गुलदस्ता देकर उन्हे सम्मानित किया। मौके पर मण्डल मंत्री शशिरंजन कुमार ने पूर्व डीआरएम की उपलब्धियों का

जिक्र करते हुए कहा की उनके निर्देशन में समस्तीपुर रेल मण्डल ने राष्ट्रीय स्तर पर कई आयाम स्थापित किए हैं। उन्होने आशा व्यक्त करते हुए कहा की वर्तमान डीआरएम इन उपलब्धियों में और तारे जड़ेंगे, इसका पूर्ण विश्वास है। पूर्व मण्डल मंत्री लालबाबू राम ने दोनों अधिकारियों को एक स्मृति पत्र सौंपते हुए समस्तीपुर रेल मण्डल में अशोक माहेश्वरी की उपलब्धियों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। नये डीआरएम आलोक अग्रवाल से उन्होने आशा व्यक्त किया की उनके निर्देशन में न केवल भारतीय रेल के मूल मंत्र सुरक्षा, संरक्षा एवं समय पालन पर ध्यान दिया जाएगा, अपितु रेल मण्डल में कार्यरत रेलकर्मियों की समस्याओं के निराकरण के तरफ भी उनकी पैनी नजर रहेगी। डीआरएम आलोक अग्रवाल ने एसो प्रतिनिधियों को ये भरोसा दिलाया की रेल मण्डल को और आगे ले जाने एवं अन्य समस्याओं के आलोक में रेल प्रशासन एसो को विश्वास में लेकर काम करेगी। मौके पर प्रशासन के तरफ से वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी ओमप्रकाश सिंह, वरिष्ठ मण्डल रेल प्रबन्धक अभियंत्रण-समनव्य आरएन झा के साथ एसो के तरफ से पूर्व अध्यक्ष उमेश रजक, आलोक आनंद, अर्जुन बैठा, रामाकांत राम, राजकुमार, सुरेश पासवान, संजीव कुमार प्रसाद, ललन पासवान, दिनेश राम, शंकर राउत, आरएस बैठा, लक्ष्मी, मनोज कुमार मधुप, शत्रुघन सुमन, संजीत कुमार पासवान के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

समस्तीपुर पुलिस को मिली सफलता, चर्चित शशि झा हत्या कांड में पुलिस ने तीन अपराधी को किया गिरफ्तार, प्रयुक्त पिस्टल और अपाची बाईक बरामद

समस्तीपुर। ज़िले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बखरी बूजूर्ग तीन वटिया के पास गत 8 अगस्त को सुबह दस बजे करीब पंचायत के पूर्व मुखिया वर्तमान मुखिया पति शशि नाथ झा चर्चित हत्या कांड में पुलिस को जबरदस्त सफलता मिली है, वहीं हत्या कांड में संलिप्त सभी अपराधियों की पहचान कर लिया गया है। पुलिस ने इस कांड में संलिप्त कुल पांच अपराधियों में से तीन अपराधियों को हत्या में प्रयुक्त सात एमएम का पिस्टल, घटना में प्रयुक्त सफेद तथा लाल रंग का अपाची मोटरसाईकिल को भी बरामद किया गया है। सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रीतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक मानव जीत सिंह ढिल्लो ने घटना के गम्भीरता को देखते हुए एसआईटी टीम का गठन किया गया था। जिसमें सदर अंचल निरीक्षक विक्रम आचार्य, मुफस्सिल अंचल निरीक्षक देवेन्द्र प्रसाद यादव, मुसरीघरारी थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, सरायरंजन थाना अध्यक्ष राजा, पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार,

डीआईयू प्रभारी अनिल कुमार, राकेश दुबे आदि को शामिल किया गया था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने गुरुवार को अपने सभा कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में संजय कुमार राय, सुनील कुमार राय दोनों साकिन बखरी बुजुर्ग थाना मुसरीघरारी, बॉबी राय साकिन निक्स पुर थाना ताजपुर का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि पुलिस को मानवीय एवं तकनीकी अधिसूचना के आधार पर संलिप्त अपराधियों तक मोबाईल चेटिंग के सहयोग से इन तीनों को अबतक गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सभी गिरफ्तार अपराधी अपनी संलिप्तता को भी स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ से खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार अपराधी संजय कुमार राय किराना का दुकानदार है, इसी के दुकान पर पूर्व मुखिया की हत्या करने की साजिश रची गई थी और इसी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पिस्टल को बरामद किया गया है।

मेरठ हलचल

हाजी गल्ला और इकबाल समेत ग्यारह बड़े कबाड़ियों पर लगा गुंडा एक्ट

संवाददाता/अरमान उलहक

मेरठ। दिल्ली-एनसीआर में चोरी के वाहनों के लिए कुख्यात मेरठ के सोती गंज बाजार पर बड़ा पुलिस एक्शन हुआ है। मेरठ पुलिस ने चोरी के वाहनों की खरीद फरोख्त में लिप्त हाजी गल्ला और इकबाल समेत ग्यारह बड़े कबाड़ियों पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पिछले 20 सालों से मेरठ के सोती गंज बाजार में वाहन चोरी और उन्हें खपाने का कारोबार खुलेआम चलता था, लेकिन योगी सरकार ने अब ऐसे वाहन चोर गैंग पर कार्रवाई का हंटर चला दिया है। पुलिसिया कार्रवाई की जद में आए कबाड़ियों में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में कबाड़ी अपने परिवार समेत फरार हो गए हैं जिसके बाद पुलिस ने कई जगह दबिश भी दी है लेकिन अभी तक इनमें से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। दरअसल, चोरी के वाहनों को खपाने के लिए मेरठ का सोतीगंज बाजार पिछले बीस सालों से कुख्यात है। दो दशकों से पश्चिम उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि दिल्ली और आसपास के राज्यों में भी जो वाहन चोरी होते थे। उन्हें मेरठ के इसी बाजार में लाकर काट दिया जाता था और उनके स्पेयर पार्ट को दुकानों पर खुलेआम बेचा जाता था लेकिन यह गैर कानूनी कार्य पहले राजनेताओं और पुलिस की साँठ गाँठ से चलता था लेकिन शासन द्वारा दिए कार्यवाही के आदेश से पुलिस में हलकम्प मच गया और मेरठ के जिला प्रशासन के लिए कानूनी कार्यवाही करनी पड़ी पुलिसिया कार्यवाही से एनसीआर क्षेत्र के बड़े कबाड़ियों और वाहन चोरों में दहसत का माहौल है। चोरी के इस कारोबार में कबाड़ी अरबपति बन गए। पिछली सरकार में कुछ सफेदपोश नेताओं का भी संरक्षण उन्हें प्राप्त था, लेकिन योगी सरकार में अब कार्रवाई का दौर जारी है। पिछले 20 साल में मेरठ के इस बाजार पर इतनी बड़ी कार्रवाई कभी नहीं हुई, जिसके बाद वाहन चोरी और उसे खपाने के कारोबार में लिप्त मन्नू कबाड़ी पर कुर्की और गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। इसमें पुलिस ने 1 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को कुर्क कर लिया।

राजस्थान हलचल

शहीद ईमाम हुसैन की याद में मुस्लिम महासभा ने किया पौधरोपण

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवगढ़/राजसमंद। ईस्लामी नए साल की शुरूआत एवं शहीद-ए-आजम शहीद ईमाम हुसैन की याद में देवगढ़ मुस्लिम महासभा टीम ने रामपुरिया कब्रिस्तान में पौधरोपण कर उनके संरक्षण की शपथ ली। ईस्लामी नए साल की शुरूआत को चांद दिखाई देने के साथ हो गई। वही नए साल के लगते ही शहीद ईमाम हुसैन की याद ताजा हो गई। इसी उपलक्ष्य में देवगढ़ मुस्लिम महासभा टीम ने रामपुरिया कब्रिस्तान में नीम, गुलमोर, आशापाल, मेहंदी, नींबू, अमरुद, कनेर, अनार सहित अन्य छायादार पौधे रोपकर उनकी सार सम्भाल की जिम्मेदारी ली। इस दौरान मुस्लिम महासभा ब्लॉक अध्यक्ष आशिक शाह, जिला मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद, ब्लॉक उपाध्यक्ष टीपू सुल्तान, हकीम खान, मुश्ताक शोरगर, शेरू मंसूरी, नदीम खान (पिंटू) आदि मौजूद थे। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरती को बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

मुहर्रम ताजियो पर्व के चलते की मीटिंग, कलेक्टर को दिया ज्ञापन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ

जोधपुर। मुहर्रम ताजियो को लेकर जोधपूर जिला कलेक्टर ओर जोधपूर पश्चिम डी सी पी साहब को लेटर देकर जानकारी दी गयी। जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया की जोधपुर मे 17 अगस्त से लेकर 23 अगस्त को मुहर्रम का पर्व मनाया जायेगा जिसमे मुहर्रम एकता कमेटी के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने जोधपूर जिला कलेक्टर व जोधपूर पश्चिम डी सी पी को मुहर्रम पर्व पर मुहर्रम ताजिये अपने अपने स्थान खड़े रहेगे व सभी रिति रिवाज के साथ मुहर्रम पर्व मनाया जायेगा उसकी जानकारी दी जिसके लिए सरकारी गाइड लाईन के अनूसार पूरा पूरा खयाल रख कर ही सभी रिति रिवाज आयोजन किये जायेगे जानकारी देने मे यह रहे मौजूद अध्यक्ष,उस्ताद हाजी हमीम बक्ष,अध्यक्ष उस्ताद सुबराती खान अबासी, उपाघयक्ष, उस्ताद रफिक कूरेसी, महामंत्री उस्ताद अ वहीद खान, सरपरस्त, अ गनी फोजदार, जिला प्रवक्ता, नदीम बक्ष शमशूदीन चूनदडीघर,फारूक सोलंकी, उस्ताद आबिद छिपा, हेदर कोहिनूर, मोलाना अफजल, रईस बक्ष साकिर शेख। नोट जोधपूर मे मुहर्रम पर्व के सभी रिति रिवाज मुहर्रम एकता कमेटी की जानिब से आयोजित किये जाते हे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तुलसी के पत्तों से बनाएं अलग-अलग फेसपैक और पाएं नैचुरल निखार

तुलसी में बहुत सारे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इससे तैयार किए फेस पैक कई तरह की स्किन प्रॉब्लम से राहत दिलाते हैं। इसे चेहरे पर लगाने से प्राकृतिक निखार आता है। सबसे खास बात यह है कि इसे चेहरे पर अप्लाई करने से किसी तरह का साइड-इफैक्ट भी नहीं होता। आइए जानिए अलग-अलग स्किन प्रॉबल्म के लिए कैसे बनाएं तुलसी के फेसपैक?

इससे फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले तुलसी के पत्तों को धूप में सूखा लें और इसे पीस कर पाउडर बना लें।

1. तुलसी और मुल्तानी मिट्टी

इस पैक को तैयार करने के लिए कटोरी तुलसी पाउडर, चंदन पाउडर, मुल्तानी मिटटी, जैतून का तेल और गुलाबजल डाल कर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे चेहरे पर 15-20 मिनट तक लगा कर बाद में ठंडे पानी से धोएं। इससे आपके चेहरे की थकावट दूर होगी और आपको फ्रैशनेस महसूस होगी।

2. तुलसी और टमाटर

जिन लड़कियों के चेहरे पर मुंहासे निकलते हो उनके लिए यह फेसपैक काफी फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर के गुदा लेकर उसमें तुलसी की पत्तियों का पाउडर मिलाएं। अब इस पेस्ट कुछ देर तक चेहरे लगाएं और फिर ठंडे पानी से धो लें।

3. तुलसी और नीम

इस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले 2 लौंग को कुछ समय के लिए पानी में भिगो कर रख दें। फिर इसे पीसकर इसमें तुलसी और नीम के पत्ते डाल क दोबारा पीस लें। अब इस पेस्ट को 30 मिनट तक चेहरे पर लगाएं और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

4. तुलसी और नींबू का फेसपैक

चेहरे से कील, मुंहासे और गंदगी को हटाने के लिए तुलसी के पत्तों को पीस कर पेस्ट बना लें। फिर इसमें नींबू की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस पेस्ट को 15 मिनट के तक चेहरे पर लगाएं। फिर इसे ठंडे पानी से धो लें।

5. तुलसी और दही

दही में तुलसी पाउडर मिला कर पेस्ट बना लें। फिर इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने के बाद धो लें।

गर्मियों में इस तरह रखें स्किन का ख्याल

गर्मियों के मौसम में गर्म हवाएं चलती हैं जो सबसे ज्यादा चेहरे को प्रभावित करती हैं। कुछ समय तक धूप में रहने से चेहरा काला नजर आने लगता है। जो व्यक्ति की खूबसूरती को नष्ट कर देता है। ऐसे में अपनी खोई रगंत को वापिस पाने के लिए लोग कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। मगर उसे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में घरेलू चीजों का यूज करके गर्मयों में स्किन का ध्यान रखा जा सकता है।

1. खीरा

खीरे के रस में दो चम्मच, मिल्क पाऊडर तथा एक अंडे की सफेदी में मिला कर नर्म पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं, आधे घंटे बाद पानी से धो लें।

2. पपीता

तैलीय त्वचा के लिए चेहरे पर पपीते का गूदा मास्क की तरह लगाएं लगाएं। इसमें एंजाइम्स होते हैं। यह एक शक्तिशाली क्लिंजर है। यह त्वचा को चमकदार बनाने में सहायक होता है।

3.मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी लगाने से चेहरे को ठंडक और आराम मिलता है। 1 टेबलस्पून मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल में मिलाकर लगाएं। 15 मिनट लगाने के बाद चेहरे को धो लें। इससे चेहरा पहले की तरह खिला-खिला नजर आने लगेगा।

4. आलू

क्लींजिंग करने के लिए कच्चे आलू की स्लाइस लें। 5 मिनट के लिए इसको चेहरे पर रगड़ें। ऐसा करने से गर्मियों में चेहरे का रंग साफ हो जाएगा।

5. तरबूज

तरबूज का रस एक अच्छा स्किन टोनर है। इससे गर्मियों में होने वाले रूखेपन से छुटकारा मिलता है। यह त्वचा को ताजगी देता है। इसे नर्म बनाता है।

6. सनस्क्रीन लोशन

15 या 20 एस.पी.एफ वाला सनस्क्रीन लोशन लगाएं। यदि आपकी त्वचा को पिग्मैंटेशन या दाग धब्बों का खतरा है, तो अधिक एस.पी.एफ वाला लोशन लगाएं। धूप में जाने से 20 मिनट पहले इसे लगाएं ताकि यह त्वचा में अच्छे से मिल जाए। याद रखें इसे धूप से प्रभावित सभी हिस्सों जैसे गर्दन के पीछे तथा बाजुओं पर लगाएं।

हार्ट अटैक से बचने के लिए चेस्ट पेन होने पर तुरंत करें ये 5 काम

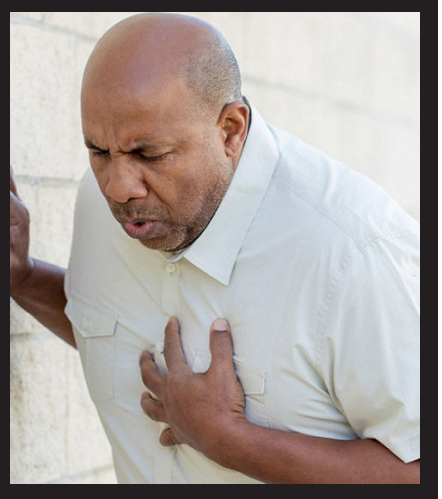

भारत में हार्ट अटैक के कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत में 23% मौते हार्ट अटैक की वजह से होती हैं। जिसका मुख्य कारण समय पर सही ट्रीटमेंट न मिलना है। अगर किसी के चेस्ट पेन हो रही हो और उसे डॉक्टर के पास पंहुचने तक फर्स्ट एड मिल जाएं तो रोगी की जान बचाई जा सकती है। आइए जानिए वह कौन-कौन से फर्स्ट एड है जिसे इस्तेमाल करके किसी को बचाया जा सकता है।

1. जोर-जोर से खांसना

अगर कभी किसी के अचानक चेस्ट या हार्ट पेन और चक्कर आने लगे तो उसे जोर-जोर से खांसना शुरू करना चाहिए। ऐसे तब ही करना है जब बेहोश होने जैसा फील हो रहा हो। इससे धमनियां रिलेक्स फील करती है।

2. कार्डियक मसाज

हार्ट में प्रॉब्लम होने पर दोनों हाथों से हार्ट की पपिंग करें लेकिन इसे ट्रेंड प्रशिक्षक से ही करवाना चाहिए। फर्स्ट एड के दौरान आप इंटरनेट पर वीडियो देखकर भी इसे कर सकते हैं। इससे रोगी को काफी हद तक राहत मिलेगी।

3. डिस्प्रिन टेबलेट लें

जिनको अचानक पहली बार हार्ट अटैक आए वे डिस्प्रीन की टेबलेट जीभ के नीचे रख लें। लेकिन यह केवल डॉक्टर के पास जाने तक का टेम्प्रेरी ईलाज है।

4. घबराएं नहीं

चेस्ट पेन होने पर घबराएं नहीं बल्कि अपने मन को शांत करके डॉक्टर के पास पंहुचे। डॉक्टर के मुताबिक दिल के रोगी की मौत चेस्ट पेन के दौरान नहीं होती बल्कि घबराहट के कारण बढ़ने वाली हार्टबीट से होती है।

5. चेस्ट पेन को इग्नोर न करें

अगर कभी भी चेस्ट पेन हो तो उसी समय सभी काम छोड़ कर डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा किसी भी दोस्त या रिश्तेदार की मदद लें।

अंडरआर्म्स के हेयर रिमूव करते समय इन बातों पर दें ध्यान

गर्मियों में लड़कियों को विदाउट स्लीव ड्रेस पहनने के लिए सबसे बड़ी दिक्कत अंडरआर्म्स के अनचाहे बालों की होती है। जिसे हटाने के लिए वे पार्लर में जाकर वैक्सिंग करवाती है या फिर घर पर शेविंग या खुद वैक्सिंग करके इसे हटाती है। अगर आप भी घर पर शेविंग करके अनचाहे बालों को हटाती है तो इन बातों पर ध्यान जरूर दें। इससे आपके बाल भी आसानी से हट जाएंगे और किसी तरह के रैशेज भी नहीं पड़ेगें। कुछ लड़कियां अंडरआर्म्स को साफ किए बिना बालों को हटाने लगती है, जिससे बालों को हटाने में उतना ही समय लगता है। इसलिए बालों को हटाने से पहले अच्छी धोकर स्क्रब लगा कर एक्सफोलिएट करें। इससे बाल नरम होकर आसानी से निकल जाएंगे। अगर आपने वैक्सिंग स्ट्रिप से बाल रिमूव करने है तो इसे स्क्ब करके इसे अच्छी तरह सोख लें। अंडरआर्म्स के बाल हटाते समय स्किन को अच्छी तरह स्ट्रेच करें ताकि शेविंग या वैक्सिंग स्ट्रिप यूज करते समय कट न लग जाए। इससे बाल पूरी तरह से हट जाएंगे और आपको क्लीन लुक मिलेगा। शेविंग या वैक्सिंग स्ट्रेप से हेयर रिमूव करते समय रेजर की मूवमेंट बालों की ग्रोथ के अपोजिट डायरेक्शन में रखें। जिस तरह अगर आपके बालों की ग्रोथ ऊपर से नीचे की तरफ है तो रेजर या स्ट्रेप से हेयर को नीचे से ऊपर की तरफ निकालें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मलाइका अरोरा बनना चाहती हैं एक बेटी की मां

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोरा अपने फैशन सेंस और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर भी सुर्खियों बनी रहती हैं। मलाइका अरोरा का एक बेटा अरहान भी है। लेकिन अब एक्ट्रेस एक बेटी की भी मां बनना चाहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मलाइका ने अपनी यह इच्छा जाहिर की है। बता दें कि मलाइका अरोरा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 4 में कंटेस्टेंट फ्लोरिना गोगोई को स्टेज पर परफॉर्म करते देख काफी भावुक हो गई थीं। तब उन्होंने खुद की एक बेटी होने की इच्छा जाहिर की थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मलाइका ने किसी भी मां के लिए बच्चों के आस-पास होना बहुत ही खूबसूरत होता है। फ्लोरिना ने मेरे दिल को छू लिया। उसका प्रदर्शन और जिस तरह से वह मेरे साथ गहरे तक जुड़ी हुई है। मेरा लड़कियों से भरा परिवार है और अब हम सभी के लड़के हैं। उन्होंने कहा, मुझे एक लड़की की कमी खलती है। मैं अपने बेटे अरहान को बहुत प्यार करता हूं, लेकिन काश मेरी भी एक बेटी होती। यह मेरे दिल में चल रही एक भावना है। मेरे कई दोस्तों ने बच्चों को गोद लिया है और यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि बच्चे हमारे जीवन में खुशियां लाते हैं।

...सबसे बड़े फिनाले में नजर आएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का इंडियन आइडल 12 अपने अब तक के सबसे बड़े फिनाले के दौरान इस सीजन के विजेता की घोषणा करेगा और संगीत को उसके पूरे अंदाज में सेलिब्रेट करेगा। इस मौके पर इस सिंगिंग रियलिटी शो में सेलिब्रिटी गेस्ट्स एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी भी नजर आएंगे। 12 घंटे तक चलने वाले इस फिनाले एपिसोड में ग्लैमर के साथ-साथ बॉलीवुड का तड़का भी लगाएंगे। फिनाले के दौरान सिद्धार्थ और कियारा आडवाणी टॉप 6 फाइनलिस्ट्स - पवनदीप राजन, अरुणिता कांजीलाल, मोहम्मद दानिश, सायली कांबले, निहाल तौरो और शण्मुखा प्रिया को सपोर्ट करते नजर आएंगे। सभी कंटेस्टेंट्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की हॉट जोड़ी के लिए खास तौर पर परफॉर्म करेंगे। इस दौरान यह दोनों अपनी आने वाली फिल्म शेरशाह को प्रमोट करते भी नजर आएंगे। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, इंडियन आइडल सीजन 12 का 12 घंटे लंबा फिनाले बड़ा कमाल का है। न सिर्फ मैं बल्कि मेरी मां और दादी समेत पूरा परिवार इस शो का फैन है और वो फिनाले एपिसोड के लिए बेहद उत्साहित हैं। मैं आप सभी को शुभकामनाएं और प्यार देना चाहूंगा।

तापसी पन्नू की 'रश्मि रॉकेट' ओटीटी पर होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू के पास इन दिनों कई फिल्मों की लाइन लगी हुई हैं। तापसी हाल ही में फिल्म 'हसीन दिलरूबा' में नजर आई थीं। वहीं अब तापसी की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म का नाम 'रश्मि रॉकेट' है। 'रश्मि रॉकेट' एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में तापसी एक गुजराती एथलीट की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन आकर्ष खुराना कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण आरएसवीपी ने किया है। हाल ही में इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि रश्मि रॉकेट सिनमेघार के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इसके लिए करोड़ों की डील भी साइन हो चुकी है। बताया जा रहा है कि फीमेल लीड वाली फिल्मों के लिए यह डील अब तक की सबसे बड़ी डील है। खबरों के अनुसार रश्मि रॉकेट के राइट्स ओटीटी पर 58 करोड़ रुपए में बेचे गए हैं। अभी तक ये साफ नहीं हुआ है कि आखिर फिल्म के राइट्स किस ओटीटी प्लेटफॉर्म को बेचे गए हैं।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
Estd. : 2011
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in